रैफरल कार्ड, फीड बैक कार्ड और रैफरल रजिस्टर :–

रैफरल शैली में सुधार लाने के लिये परियोजना के अन्तर्गत रैफरल, फीड बैक कार्ड और रैफरल रजिस्ट तैयार किये गये हैं जिनका उपयोग मरीजों को उच्च संस्थानों में भेजने के लिये किया जायेगा। पीला और लाल रंग का रैफरल कार्ड में जॉच सूचना रिपोर्ट के साथ रोगी एवं स्वास्थ्य सूचना की जानकारी उपलब्ध होगी। हरे रंग के कार्ड में चिकित्सकीय निदान और संपूर्ण जॉच एवं उपचार की विस्तृत जानकारी होगी।

उचित रैफरल प्रणाली के अन्तर्गत मरीजों से संबधित तीन जानकारी उपलब्ध होगीः– कब क्यों और कहॉ उन्हें रैफर किया जाए साथ ही में मरीज को कितनी प्राथमिकता देना अनिवार्य है। रैफर किये गये मरीजों को चिकित्सक ही जॉच करें एवं गुण्वत्ता पूर्ण सेवा उपलब्ध करवायें। सेवाओं की जिम्मेदारी व जबाबदेही चिकित्सकों की रहेगी।

इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि गरीब व पिछड़े वर्ग की जनता में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं हेतु उनके अन्दर सुरक्षा की भावना पैदा की जाए, जिससे व समय पर सही एवं उत्तम इलाज करवा सके। स्वास्थ्य सेवायें महंगी होने कारण गरीब वर्ग के लोगों का आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है और इन सेवाओं का लाभ प्राप्त नहीं कर सकतें। समुदाय आधारित स्वास्थ्य बीमा योजना का उद्देश्य ही इस लाभ की प्राप्ति है।

अवयव 3 : गरीब समुदाय हेतु स्वास्थ्य सेवाओं की पहुॅच में सुधारः

इस अवयव के अन्तर्गत पिछड़े वर्गो व जनजाति, बी.पी.एल. परिवार, महिलाएं एवं बच्चों पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अन्तर्गत निम्न सेवाओं का सुदृढ़ीकरण एवं स्वास्थ्य जरूरतों को चिन्हित कर समुदाय तक पहुॅचाया जा रहा है :–

- आम जनता को स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में सूचना एवं शिक्षा द्वारा जागरूक करके उनके व्यवहार में बदलाव लाया जा रहा है जिससे वह वर्तमान स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें।
- उत्तम स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता के लिये संचार माध्यम, दिवारों पर चित्र एवं पोस्टर इत्यादि का प्रयोग किया जा रहा हैं।
- सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढीकरण कर गरीब समुदाय के हित के लिये सरकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों का प्रचार–प्रसार करके लोगों को जागरूक बनाया जा रहा है जिससे इन सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग कर लाभ उठा सकें। मुख्य मंत्री जीवन रक्षा कोष, बी.पी.एल. कार्ड स्कीम, राजस्थान मेडिकल रिलिफ सोसायटी, रैफरल ट्रांसपोर्ट स्कीम व आर.